उत्तर प्रदेश छात्रवृत्ति वितरण कार्यक्रम (सत्र **2026-27):** एनआईसी **(NIC)** की तकनीकी उत्कृष्टता और महत्वपूर्ण भूमिका

दिनांक 03 अक्टूबर 2026 को लोक भवन, लखनऊ में माननीय मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी के कर-कमलों द्वारा शैक्षिक सत्र 2026-27 के प्रथम छात्रवृत्ति वितरण कार्यक्रम का भव्य शुभारंभ किया गया। इस ऐतिहासिक अवसर पर पिछड़ा वर्ग, अनुसूचित जाति, सामान्य वर्ग एवं अल्पसंख्यक वर्ग के 4.60 लाख से अधिक पात्र छात्र-छात्राओं के बैंक खातों में प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (DBT) के माध्यम से ₹148 करोड़ से अधिक की छात्रवृत्ति एवं शुल्क प्रतिपूर्ति की राशि सफलतापूर्वक अंतरित की गई।

राज्य-स्तरीय कार्यक्रम के साथ-साथ प्रदेश के प्रत्येक जनपद में भी छात्रवृत्ति वितरण कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिससे लाभार्थियों को स्थानीय स्तर पर इस उपलब्धि से जुड़ने का अवसर मिला और योजना की पहुँच व्यापक हुई। यह वितरण कार्यक्रम छात्रवृत्ति एवं शुल्क प्रतिपूर्ति प्रक्रिया को पूर्णतः डिजिटल, पारदर्शी, सुरक्षित एवं समयबद्ध बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। इसमें उत्तर प्रदेश छात्रवृत्ति एवं शुल्क प्रतिपूर्ति ऑनलाइन प्रणाली की केंद्रीय भूमिका रही है, जिसका तकनीकी प्रबंधन एवं संचालन राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केन्द्र (एनआईसी), उत्तर प्रदेश राज्य केन्द्र, लखनऊ द्वारा किया जा रहा है।

सत्र 2026-27 के लिए पोर्टल 22 जुलाई 2026 को छात्रवृत्ति आवेदन के लिए खोला गया था। 03 अक्टूबर का कार्यक्रम इस सत्र का प्रथम राज्य-स्तरीय छात्रवृत्ति वितरण कार्यक्रम आयोजित हुआ । इसके साथ ही पूर्व सत्र 2025-26 के शेष पात्र आवेदकों को भी वितरण प्रक्रिया में सम्मिलित किया गया, जिससे लाभार्थियों को समय पर सहायता सुनिश्चित हुई।

उत्तर प्रदेश छात्रवृत्ति एवं शुल्क प्रतिपूर्ति पोर्टल के माध्यम से समाज कल्याण विभाग, पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग, जनजाति विभाग तथा अल्पसंख्यक कल्याण विभाग की विभिन्न छात्रवृत्ति योजनाओं का समेकित ऑनलाइन संचालन किया जा रहा है। छात्रों द्वारा छात्रवृत्ति के लिए ऑनलाइन आवेदन से लेकर संस्थान/जनपद स्तर पर सत्यापन, तथा भुगतान संबंधी सभी डिजिटल प्रक्रियाओं को इस पोर्टल के माध्यम से सुव्यवस्थित एवं सुचारु रूप से संचालित किया गया है।

विद्यार्थियों के आवेदनों एवं संबंधित डेटा को सुरक्षित, विश्वसनीय तथा कुशलतापूर्वक प्रोसेस करते हुए पारदर्शी DBT-आधारित वितरण सुनिश्चित करने में एनआईसी की मजबूत तकनीकी अवसंरचना एवं विशेषज्ञता महत्वपूर्ण आधार प्रदान कर रही है। लाभार्थियों एवं अंतिम उपयोगकर्ताओं को त्वरित सहायता तथा समस्या समाधान उपलब्ध कराने के उद्देश्य से एनआईसी द्वारा दैनिक आधार पर ओपन हाउस वीडियो कॉन्फ्रेंस (VC) सत्र आयोजित किए जा रहे हैं। इन सत्रों के माध्यम से विद्यार्थी, अभिभावक, संस्थान एवं जनपद स्तरीय अधिकारियों को सीधे तकनीकी सहायता, प्रक्रिया संबंधी मार्गदर्शन तथा त्वरित समाधान प्राप्त हो रहा है, जिससे समस्या निवारण तीव्र, पारदर्शी एवं सुलभ बना है।

राज्य सूचना विज्ञान अधिकारी श्री अमित भार्गव (वैज्ञानिक - जी) के कुशल मार्गदर्शन एवं नेतृत्व में एनआईसी की तकनीकी टीम—श्री सुनील श्रीवास्तव (वैज्ञानिक - एफ), श्री राकेश कुमार (वैज्ञानिक - ई), श्री गौरव सिंह (वैज्ञानिक - डी) एवं श्री शैलेश सिंह (वैज्ञानिक - डी)—द्वारा छात्रवृत्ति एवं शुल्क प्रतिपूर्ति

पोर्टल के तकनीकी संचालन, सतत निगरानी तथा गुणवत्ता नियंत्रण में उल्लेखनीय योगदान दिया जा रहा है। टीम द्वारा पोर्टल के सुचारु संचालन, आवेदन एवं सत्यापन प्रक्रियाओं के तकनीकी प्रबंधन, डेटा प्रोसेसिंग एवं वैलिडेशन, सिस्टम मॉनिटरिंग तथा विभिन्न विभागों एवं जनपदों के साथ प्रभावी तकनीकी समन्वय सुनिश्चित किया जा रहा है।

इस समर्पित एवं तकनीकी प्रयास से छात्रवृत्ति वितरण प्रक्रिया और अधिक पारदर्शी, विश्वसनीय, सुगम, सुरक्षित तथा समयबद्ध हुई है, जो डिजिटल शासन की मजबूती एवं नागरिक-केंद्रित सेवा वितरण का सशक्त उदाहरण प्रस्तुत करता है।

कार्यक्रम की झलकियाँ



<u>माननीय मुख्यमंत्री द्वारा छात्रवृत्ति वितरण कार्यक्रम का शुभारंभ, लाभार्थियों को छात्रवृत्ति वितरण का दृश्य एवं जनपद स्तरीय छात्रवृत्ति वितरण कार्यक्रम की एक झलक</u>

Uttar Pradesh Scholarship Distribution Programme (Session 2026–27): NIC's Technical Excellence and Significant Role

---

On 03 October 2026, the first scholarship distribution programme for the academic session 2026–27 was ceremoniously inaugurated at Lok Bhawan, Lucknow, by Hon'ble Chief Minister Shri Yogi Adityanath. On this historic occasion, scholarship and fee reimbursement amounting to more than ₹148 crore was successfully transferred through Direct Benefit Transfer (DBT) to the Aadhar seeded bank accounts of more than 4.60 lakh eligible students belonging to the Other Backward Classes, Scheduled Castes, General Category and Minority communities.

Along with the state-level programme, scholarship distribution programmes were also organized in every district of the state, providing beneficiaries an opportunity to participate in this achievement at the local level and further expanding the reach of the scheme. The distribution programme marks a significant achievement towards making the scholarship and fee reimbursement process completely digital, transparent, secure and time-bound. The Uttar Pradesh Scholarship and Fee Reimbursement Online System has played a central role in this endeavour, with its technical management and operation being carried out by the National Informatics Centre (NIC), Uttar Pradesh State Centre, Lucknow.

For the academic session 2026–27, the portal was opened for scholarship applications on 22 July 2026. The programme held on 03 October 2026 marked the first state-level scholarship distribution programme of the session. Along with this, the remaining eligible applicants from the previous session 2025–26 were also included in the distribution process, thereby ensuring timely financial assistance to the beneficiaries.

Through the Uttar Pradesh Scholarship and Fee Reimbursement Portal, various scholarship schemes of the Social Welfare Department, Backward Classes Welfare Department, Tribal Welfare Department and Minority Welfare Department are being operated through an integrated online system. From online submission of scholarship applications by students to verification at the institutional and district levels, as well as all digital processes related to payment, the entire workflow has been systematically and efficiently managed through this portal.

NIC's robust technical infrastructure and expertise have provided a strong foundation for securely, reliably and efficiently processing student applications and related data, while ensuring transparent DBT-based disbursement to beneficiaries. With the objective of providing prompt assistance and resolving issues faced by beneficiaries and end users, NIC is conducting daily Open House Video Conference (VC) sessions. Through these sessions, students, parents, institutions and district-level officials are receiving direct technical assistance, procedural guidance and prompt resolution of their issues, making the grievance-resolution process faster, more transparent and accessible.

Under the able guidance and leadership of State Informatics Officer Shri Amit Bhargava (Scientist-G) the NIC technical team comprising Shri Sunil Srivastava (Scientist-F), Shri Rakesh Kumar (Scientist-E), Shri Gaurav Singh (Scientist-D) and Shri Shailesh Singh (Scientist-D) is

making a significant contribution to the technical operation, continuous monitoring and quality control of the Scholarship and Fee Reimbursement Portal. The team is ensuring the smooth functioning of the portal, technical management of application and verification processes, data processing and validation, system monitoring, and effective technical coordination with various departments and districts.

Through these dedicated and technical efforts, the scholarship distribution process has become more transparent, reliable, user-friendly, secure and time-bound. It stands as a strong example of robust digital governance and citizen-centric service delivery.

Glimpse of Events



Glimpses of the Scholarship Distribution Programme inaugurated by the Hon'ble Chief Minister, scholarship disbursement to beneficiaries, and district-level scholarship distribution programmes across Uttar Pradesh.

***